

वाराणसी में बनेगा उत्तर प्रदेश का अपना 'सिल्क एक्सचेंज'

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि जिल्ला ही वाराणसी में राज्य का 'सिल्क एक्सचेंज' स्थापित होने जा रहा है, जिससे व्यापारियों और साड़ी निर्माताओं को उचित मूल्य पर रेशम की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

प्रमुख बिंदु

- 'सिल्क एक्सचेंज' क्षेत्र में रेशम की तस्करी रोकने के साथ ही रेशम व्यापारियों और वनिर्माण इकाइयों के लिये उत्पादन लागत कम करेगा। प्रवक्ता के अनुसार अगले छह महीनों में राज्य सरकार क्षेत्र के बुनकरों को 'सिल्क एक्सचेंज' से जोड़ेगी।
- उत्तर प्रदेश के रीलर्स द्वारा 'सिल्क एक्सचेंज' में बिक्री के लिये लाए गए सभी रेशम लॉट की गुणवत्ता परीक्षण के बाद प्रत्येक रेशम लॉट का न्यूनतम मूल्य राज्य में रेशम के औसत मूल्य और विशेष लॉट की गुणवत्ता के आधार पर तय किया जाएगा। इसके बाद रेशम के लॉट की नीलामी कर एक्सचेंज द्वारा रीलर्स को स्पॉट पेमेंट सुनिश्चित किया जाएगा।
- प्रवक्ता ने यह भी बताया कि राज्य सरकार वन डिसट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट (ओडीओपी) योजना के तहत 'सिल्क एक्सचेंज' के डिजिटलइजेशन पर भी काम करेगी, जिसके माध्यम से बुनकरों, सूत बनाने वाली इकाइयों और 'सिल्क एक्सचेंज' को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा, ताकि बुनकरों के तैयार रेशम उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शन के लिये एकल मंच की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।